अपने पेशन के लिए करता हूं लेखन : राजीव पॉल

इंदौर, 7 नवंबर. मैं लेखन मेरे पेशन के लिए करता हूं और मुझे पढ़ना भी पसंद है.जो भी लिखता हूं दिल से लिखता हूं और अपने लिए लिखता हूं. मैं लेखन भी करता हूं. मुझे इसकी प्रेरणा मेरी मां से मिली क्योंकि वो भी कविताएं लिखती थी. मैंने मुंबई, मोहब्बत और तन्हाई किताब लिखी है जो कि बेस्ट सेलिंग बुक्स में शामिल है. इसकी तारीफ अमिताभ बच्चन, शाहरूख खान और फरहान अख्तर भी कर चुके हैं. अभी दो और बुक्स लिख रहा हूं.

यह कहना है अभिनेता और लेखक राजीव पॉल का. वे मंगलवार को स्टार भारत के शो जीजी मां के प्रमोशन के लिए शहर में थे. उनके साथ अभिनेत्री तन्वी डोगरा भी थी. राजीव ने बताया कि शो में मैं जयवंत रावत की भूमिका निभा रहा हूं. जो परिवार को जोड़ने में विश्वास रखता है. जीजी मां दो बहनों की कहानी के साथ ही दो परिवार की कहानी है. उन्होंने आगे बताया कि जब मैंने शुरू में जब कुछ लिखता तो लोगों ने उसकी तारीफ की तो फिर मैंने लिखना शुरू कर दिया. हालांकि शुरू में विश्वास नहीं हुआ था कि वाकई मैं अच्छा लिखता हूं. अभी मैं कुछ गाने भी लिख रहा हूं. ये इंडी पॉप सांग होंगे जिसमें में इंदौर और भोपाल के लोगों को लूंगा.

स्वाभिमान का किरदार रहा यादगार

राजीव ने बताया कि मैं अभी तक 50-60 शो कर चुका हूं. इनमें स्वाभिमान का वॉल्टर का किरदार मेरे दिल के करीब और यादगार रहा. उन दिनों इंडस्ट्री के ही मेरे एक वरिष्ठ साथी ने अपने बेटे का वॉल्टर रखा था. आपके किरदार के नाम से कोई अपने बेटे का नाम रखे तो यह आपके लिए बड़ी उपलब्धि होती है.

टीआरपी पर चल रही इंडस्ट्री

राजीव ने कहा कि आज टीवी इंडस्ट्री में अच्छे और बुरे दोनों राइटर्स है. लेकिन इंडस्ट्री टीआईपी पर चल रही है. निर्माता और अभिनेता दोनों पर ही टीआरपी का प्रेशर होता है. टीआरपी न आने के कारण शो बंद हो जाता है. कई बार तो अच्छे शो भी बंद हो जाते हैं. उन्होंने बताया कि टीवी या फिल्म इंडस्ट्री में आने का कोई फार्मूला नहीं है. मैंने भी सबसे ज्यादा अनुभव सेट पर लिया. ट्रेनिंग से ज्यादा अनुभव वहां मिलता है. इसलिए जो भी इस इंडस्ट्री में आना चाहता है वह थियेटर करता रहे. टीवी देखे और उन सीन की प्रेक्टिस घर पर ही करता रहे. वह अनुभव यहां काम आएंगे.

निगेटिव किरदार है पसंद : तन्वी

मुझे निगेटिव किरदार करना अच्छे लगते है क्योंकि उसमें कई शेड होते हैं. एक ही किरदार में मुझे कई शेड निभाने का मौका मिलता है. यही नहीं उन किरदारों में ज्यादा सजने-संवरने का भी मौका मिलता है. यह कहना है अभिनेत्री तन्वी डोगरा का. तन्वी ने बताया कि यह मेरा पहला डेब्यू लीड और सेकण्ड शो है. इस शो के लिए जब मैं पोस्टर पर आ गई तो मुझे यकीन नहीं हुआ कि मैं पोस्टर पर आ गई हूं. यह रोल मेरे लिए चैलेंजिंग रहा. हालांकि फाल्गुनी और नियती की कहानी मेरी रियल लाइफ से मेल खाती है. मेरे छोटे भाई के साथ मेरा भी इसी तरह का रिश्ता है. मैं उसका इसी तरह ध्यान रखती हूं.

फोन के ऑडिशन पर हुआ सिलेक्शन

तन्वी ने बताया कि मैंने एक्टिंग का सोचा नहीं था और इंजीनियर ही बनना चाहती थी. पापा बैंक में चीफ मैनेजर के पद पर है. उनके कई जगह ट्रांसफर होते रहते हैं. इस दौरान मैं पांच साल मुंबई भी रही थी. इस दौरान मेरे कुछ दोस्त बन गए थे. उनमें से एक दोस्त का प्रोडक्शन हेड बेस्ट फ्रेंड था. उन लोगों को एक नई लड़की की तलाश थी तो उसने मुझे कॉल किया. लेकिन मैंने उसे मना कर दिया. फिर प्रोडक्शन हाउस से फोन आया और उन्होंने मुझे फोन पर ही ऑडिशन भेजने को कहा. मैंने अपना ऑडिशन फोन पर रिकार्ड कर भेजा और मेरा सिलेक्शन हो गया. इसके बाद मैंने अपनी इंजीनियरिंग की जॉब छोड़ी थी 50 हजार रुपए का बांड भरकर.

तन्वी ने कहा कि एक्टिंग सीखने से नहीं आती वो तो व्यक्ति के अंदर जन्मजात प्रतिभा होती है. मैं एक्टिंग का नहीं सोचा था लेकिन बॉलीवुड डांस करती थी. स्कलू और कॉलेज की सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया. उसके कारण मेरे अंदर एक्सप्रेशन देने का अनुभव आ गया. वहीं अनुभव मुझे यहां काम आया. मेरा सपना भी है कि किस अवार्ड शो में डांस करूं.

शिक्षकों ने सीखे ई-वेस्ट मैनेजमेंट के तरीके

इन्दौर 7 नवम्बर. सन मेरिनो पब्लिक स्कूल में ई-वेस्ट मेनेजमेंट पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया. इस वर्कशॉप में इंदौर के कई स्कूलों के स्टूडेंट्स एवं टीचर्स शामिल हुए.

स्कूल की प्रिंसिपल सुश्री रौनिका गगनेजा ने बताया कि डायरेक्टर महेश पाटीदार एवं श्रीमती हेमा पाटीदार के मुख्य आतिथ्य में इस वर्कशॉप का आयोजन किया गया. दिल्ली की एनजीओ 'करो संभव की' संचालिका स्वाति गांगुली द्वारा स्काइप पर ऑनलाइन वर्कशॉप में अपनी उपस्थिति दर्शाते एक डाक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से वर्तमान में ई-वेस्ट की वातविक स्थिति से सभी को अवगत कराया. साथ ही साथ स्वाति ने ये भी बताया की ई-वेस्ट का निरस्तरीकरण उचित प्रक्रिया द्वारा किया जाना आवश्यक है. इस विषय पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वर्कशॉप में शिक्षकों के द्वारा एक्टिविटी 6 के अंतर्गत ई-वेस्ट पर परिचर्चा, ड्रामा और कविता आदि प्रस्तुत किये गए. कार्यक्रम की संचालिका श्रीमती अर्चना कुलकर्णी द्वारा घरो में लगातार निकलने वाले ई-वेस्ट का उचित प्रबंध करने हेतु समाज एवं स्टूडेंट्स को जागरूक करने पर बल दिया. स्कूल की संचालिका श्रीमाली हेमा पाटीदार ने भी ई-वेस्ट प्रबंध पर अपनी बात रखते हुए कहा कि नई टेक्नोलॉजी के चलते लोगों द्वारा आवशयकता न होने पर भी मोबाइल फ़ोन को बार-बार बदल लिया जाता है जो ई-वेस्ट को बढ़ाने का मुख्य कारण है. इस अवसर पर स्कूल की प्रिंसिपल सुश्री रौनिका गगनेजा ने एक स्टोरी के माध्यम से ई-वेस्ट प्रबंध के बारे में समझाया एवं इस बात पर जोर दिया की ये कार्य किसी व्यक्ति विशेष का नहीं है अपितु पूरे समाज को मिलकर व्यक्तिगत तौर पर ई-वेस्ट तो खत्म करने के लिए जागरूकता फैलानी होगी.

कायस्थ समाज के 11 परिवार वंशमणि सम्मान से सम्मानित

इन्दौर, 7 नवंबर. वर्तमान दौर में जब एकल परिवारों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है, ऐसे में श्री कायस्थ सभा इन्दौर ने ऐसे 11 परिवारों को मंच पर बकायदा सम्मानित किया जो एक ही छत के नीचे एक दूसरे का आदर करते हुए प्रेमपूर्वक रहते हैं और संयुक्त रूप से ना केवल उनका भोजन बनता है वरन सभी साथ में भोजन करते हैं. यह आयोजन कायस्थ सभा ने कुलभास्कर दिवस पर जाल सभागृह में किया.

सम्मानित होने वाले परिवारों में श्री प्रवीण एवं श्रीमती आशा माथुर, श्री राहुल एवं दीपीका खरे, अमूल एवं इन्द्रा श्रीवास्तव, सुनिल अर्चना श्रीवास्तव, सुश्री दिव्या सक्सेना, सलिल हेमा श्रीवास्तव, विपिन ज्योती सक्सेना, शिशिर बबीता गौड़, अमित अमिता खरे,

पीयुष कृति खरे एवं आलोक वंदना सक्सेना. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी एवं अधिवक्ता आनंद मोहन माथुर ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज को मजबूती प्रदान करते हैं और नया संदेश देते हैं. समाज में ऐसे आयोजन सभी जगह होना चाहिए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि योगाचार्य आर.सी. वर्मा और विशेष अतिथि वरिष्ठ पत्रकार के.के. अष्ठाना थे. यह जानकारी संस्था सचिव श्रीमती वीणा श्रीवास्तव एवं नेहा गौड़ ने देते हुए बताया कि इस आयोजन में देशभर में फैले समाज के 600 से अधिक समाजजन शामिल हुए. अतिथियों का स्वागत सुषमा श्रीवास्तव, प्रीति सक्सेना, मीना भटनागर, ऋतु सक्सेना ने किया. अतिथि परिचय मधु अस्थाना और अनिता श्रीवास्तव ने दिया. संचालन मयंक कुलश्रेष्ठ और विनोद श्रीवास्तव ने किया. आभार माना वीना श्रीवास्तव ने.

विद्यार्थियों ने शुरू किया अपना चैनल

आईपीएस एकेडमी का फाउंडेशन डे

इन्दौर, 7 नवम्बर. आईपीएस एकेडमी में 24 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया. इस मौके पर बस्तियों में रहने वाले बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया वहीं छात्रों द्वारा अपना चैनल शुरू किया गया. इस चैनल में केंपस की सभी गतिविधियां कवर की जाएंगी.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एकेडमी के चेयरमेन अचल चौधरी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस मौके पर सचिव श्रीमति कुमुदनी चौधरी विशेष तौर पर मौजूद थी. स्थापना दिवस के मौके पर आईपीएस एकेडमी के स्टूडेंट्स ने अभिनव प्रयास करते हुए अपना अखबार आईपीएसए टाइम्स निकाला. इस अखबार के लिए

न्यूज, संपादकीय, फोटोग्राफ्स का संकलन और डिजायनिंग भी खुद ही किया और इसकी प्रिंटिंग भी अपनी देखरेख में ही कराई. इसके साथ ही केंपस के अपने चैनल का शुभारंभ भी किया गया. ये चैनल कॉलेज की गतिविधियों को अपने चैनल पर कवर करेगा. शूटिंग, एडिटिंग, एंकरिंग, पोस्ट प्रोडक्श आदि सारा काम स्टूडेंट्स की टीम ही करेगी. कार्यक्रम के तहत सामाजिक सरोकार अभियान में गरीब बस्ती के बच्चों के लिए पेंटिंग कांपीटिशन भी आयोजित की गई. इस प्रतियोगिता में नन्हे बच्चों ने एक से बढकर एक पेंटिंग तैयार की. इस प्रतियोगिता के विजेताओं का चित्रकार श्रीमति नवीना गंजू ने पुरस्कार वितरित किये. कार्यक्रम में कॉलेज के निदेशक राजेश चौधरी, डॉ. जी.वी. कुलकर्णी समेत बडी संख्या में प्राचार्य और प्राध्यापक मौजूद थे.

सीए संचेती वाणिज्यिक कर बोर्ड में स्थायी लेखा सदस्य बने

राज्य शासन ने पहली बार गैर प्रशासनिक अधिकारी को बनाया सदस्य

इन्दौर, 7 नवंबर. शहर के वरिष्ठ सी.ए. मदनलाल संचेती को राज्य शासन ने वाणिज्यिक कर अपील बोर्ड में स्थाई लेखा सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। वे ऐसे पहले गैर प्रशासनिक अधिकारी हैं जिनकी उक्त पद के लिए नियुक्ति हुई है। यह नियुक्ति आगामी 5 वर्ष के लिए की गई है. यह जानकारी योगेन्द्र सांड ने देते हुए बताया कि श्री संचेती अपने सरलतम व्यवहार एवं मधुर वचनों से व्यवसाय जगत में जाने जाते हैं और शासकीय अधिकारियों में भी उनकी विशिष्ट पहचान है. उन्होंने 50 वर्ष की उम्र में विधि की पढ़ाई प्रारंभ की और विधि स्नातक के बाद एल.एल.एम. (विधि में पोस्ट ग्रेज्युएट) की उपाधि प्राप्त की. वे वर्षों पूर्व राजस्थान के छोटे से गांव पांडोली से शिक्षा ग्रहण के मकसद से इन्दौर आए और यहां से सी.ए. की पढ़ाई की. कुछ वर्षों तक आपने वैष्णव कॉलेज में अध्यापन कार्य भी किया. श्री संचेती ने स्वयं के बलबूते पर अपनी सीए की प्रेक्टिस प्रारंभ की और छोटे व्यवसायियों को अपनी सेवाएं उपलब्ध करवाते रहे.

नोटबंदी की कड़वी दवाई अब बन गई है फायदेमंद : डॉ. भंडारी

डीएफपी में नोटबंदी का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पर व्याख्यान संपन्न

इंदौर 7 नवम्बर. सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ जयंतीलाल भंडारी का मानना है कि पिछले वर्ष 8 नवंबर को नोटबंदी लागू होने के बाद कुछ महीनों तक आम लोगों के साथ उद्योग और कारोबारियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा, रोजगार के अवसरों में कमी आई और विकास दर भी घटी लेकिन एक वर्ष के मूल्यांकन करने पर दिखाई दे रहा है कि नोटबंदी की यह कड़वी दवाई अब भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद सिद्ध हो रही है. सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के इंदौर

स्थित क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय द्वारा नोटबंदी के एक वर्ष पूरे होने पर नोटबंदी का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में डॉ भंडारी ने कहा कि सरकार ने नोटबंदी लागू करते समय जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उनमें काफी हद तक सफलता मिली है. तथ्यात्मक जानकारी देते हुये डॉक्टर भंडारी ने बताया कि नोटबंदी के बाद चलन से बाहर किए गए करीब 16 लाख करोड़ रुपए में से 99 फीसदी प्रतिबंधित नोट बैंकों में वापस आ गए हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जमा कराया गया पूरा धन सफेद हो गया है. उन्होंने बताया कि नोटबंदी के बाद बैंकों में रुपया जमा कराने वालों मे से करीब 18 लाख खातों को काले धन के मद्देनजर चिन्हित किया गया है. इस खातों में जमा करीब 5 लाख करोड़ रूपये में से एक चौथाई काला धन हो सकता है. डॉ. भंडारी ने बताया कि सरकार ने कारोबार ना कर के केवल काले धन को सफेद करने के लिए काम में संलिप्त पाई गई 2 लाख 24 हजार मुखौटा कंपनियों के खाते जप्त कर लिए हैं. अब तक जांच में पाया गया है कि नोटबंदी के बाद 35 हजार कंपनियों के 58 हजार बैंक खातों में 17 हजार करोड़ रुपए जमा हुए और निकाल लिए गए. डॉक्टर भंडारी ने कहा कि काला धन पर अंकुश लगाने के लिए और कदम कड़े कदम उठाने के साथ जन जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है. इसके साथ ही डिजिटलीकरण और कर दायरा बढ़ाने के लिये भी प्रयास करने होंगे. इस अवसर सहायक निदेशक मधुकर पवार, वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष पुरूषोत्तम वाघमारे, एम.एस.एम.ई. टूल रूम के प्रभारी अधिकारी अशोक कुमार ने भी सम्बोधित किया.

अपने व्यापार को दें नई ऊंचाइयां **नवभारत** के माध्यम से

सीता श्री फ़ूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : 332/4/2, आर.डी. उद्योग नगर, पालदा, नेमावर रोड़, मथुरावाला कॉलोनी, इंदौर-452020 (म.प्र.)
सी आई एन : L15314MP1996PLC010741
सूचना
भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकता) रेगुलेशंस, 2015 के रेगुलेशन 47(1)(a) का अनुसरण करते हुए, एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, कंपनी के निदेशक मंडल की **बैठक मंगलवार, 14 नंवबर, 2017 को समय सायं 4.00 बजे** कंपनी के पंजीकृत कार्यालय जो की 332/4/2, आर.डी. उद्योग नगर, पालदा, नेमावर रोड़, मथुरावाला कॉलोनी, इंदौर 452020 (म.प्र.) पर, **कंपनी की 30 सितंबर, 2017 को समाप्त दूसरा तिमाही** के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम पर विचार और मंजूरी देने के लिए रखी गयी है। यह सूचना कंपनी की वेबसाइट : **http://www.sitashri.com,** नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट **https://www.nseindia.com** और बी.एस.ई लिमिटेड की वेबसाइट **http://www.bseindia.com.** पर भी उपलब्ध है।
प्रति , सीता श्री फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड
अधिकृत हस्ता./-
दिनेश अग्रवाल स्थान : इंदौर
अध्यक्ष सह निदेशक दि. : 06.11.2017

M. P. PASCHIM KSHETRA VIDYUT VITARAN Co. Ltd..
GPH COMPOUND, POLOGROUND, INDORE
(Ph. No: 0731-2426252, 2426204, 2426166)
(Email: - sepurchase06@rediffmail.com)
No. MD/WZ/06/PUR/NIT-190/21427 Indore, dated: 07.11.2017
NOTICE INVITING TENDERS
MPPKVVCL, Indore, invites online bids as per Tender Specification for the following items/Services through e-tendering: -

TS No.	Name of Items	Unit	Approx. Qty	Pre-bid Meeting date	Opening Date
1175	Procurement for alternate MPLS connectivity (2Mbps at 14 Nos. Circle office locations of Indore DISCOM and 1 No. 10 Mbps MPLS link at RAPDRP Data Center, Jabalpur) for Video Conferencing.	No.	15Nos. (2Mbps at 14 Nos. Circle office locations of Indore DISCOM and 1 No. 10 Mbps MPLS link at RAPDRP Data Centre, Jabalpur)	15.11.17	22.11.17

For further information visit web-site http://www.mpwz.co.in or http://www.mpeproc.gov.in
Addl. Chief Engineer (Pur)

योग और नैचुरोपैथी समय की मांग : डॉ. शर्मा

इंदौर, 7 नवंबर. मध्यप्रदेश मेडिकल साईस इन्दौर के कुलपति डॉ. आर.एस. शर्मा इन्दौर प्रवास के दौरान एडवांस इंस्टिट्यूट पर योग एवं नैचुरोपैथी के साधकों को भी सम्बोधित किया. आपने कहा कि योग एवं नैचुरोपैथी आज के समय की मांग है लोग अंग्रेजी दवां के साईड इफेक्ट से परेशान हो गए है तथा लोगों को रहन-सहन तथा खान-पान सही नहीं है. विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.एस. शर्मा जी ने योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा से शरीर पर होने वाले लाभ प्रभाव से लोगों को अवगत कराया. श्री शर्मा ने सम्बोधन में कहा कि योग का प्रयोग शारीरिक , मानसिक और आध्यत्मिक लाभों के लिए हमेशा से होता रहा है. आज की चिकित्सा शोधों ने ये साबित कर दिया है कि योग शारीरिक और मानसिक रूप से मानवजाति के लिए वरदान है. जहाँ जिम आदि से शरीर के किसी खास अंग का ही व्यायाम होता है वहीँ योग से शरीर के समस्त अंग प्रत्यंगों, ग्रंथियों का व्यायाम होता है जिससे अंग प्रत्यंग सुचारू रूप से कार्य करने लगते हैं. योगाभ्यास से रोगों से लड़ने की शक्ति बढती है.

बुढ़ापे में भी जवान बने रह सकते हैं त्वचा पर चमक आती है शरीर स्वस्थ,निरोग और बलवान बनता है. जहाँ एक तरफ योगासन मांस पेशियों को पुष्टता प्रदान करते हैं जिससे दुबला पतला व्यक्ति भी ताकतवर और बलवान बन जाता है डॉ. देशराज जैन एवं डॉ. प्रदीप मिश्रा ने भी सम्बोधित किया. संचालन, डॉ. एके द्विवेदी ने किया.

ध्यान से बढ़ती है कार्यशक्ति

उन्होंने कहा कि ध्यान भी योग का अति महत्वपूर्ण अंग है. आजकल ध्यान यानि मेडिटेशन का प्रचार हमारे देश से भी ज्यादा विदेशों में हो रहा है. आज की भौतिकता वादी संस्कृति में दिन रात भाग दौड़, काम का दबाव, रिश्तो में अविश्वास आदि के कारण तनाव बहुत बढ़ गया है. ऐसी स्थिति में मेडिटेशन से बेहतर और कुछ नहीं है. ध्यान से मानसिक तनाव दूर होकर गहन आत्मिक शांति महसूस होती है, कार्य शक्ति बढती है. वहीं प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा पुरानी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को भी अपेक्षाकृत कम समय में सफलतापूर्वक उपचारित किया जाता है. प्रकृति के उपचार में दबे हुए रोगों को सतह पर लाया जाता है और स्थायी रूप से हटा दिया जाता है. इन्दौर में योग एवं नैचुरोपैथी द्वारा असाध्य रोगों की चिकित्सा के साथ-साथ लोगों को कैसे खाना और रहना चाहिए ये भी बताया गया.

कार्यालय नगर पालिका परिषद विदिशा (म.प्र.)
क्रमांक /6090 P W D /2017 **ई-निविदा आमंत्रण सूचना** विदिशा, दिनांक 07-11-2017
नगर पालिका परिषद विदिशा द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदाओं का आमंत्रण किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	निविदा क्र.	ई-टेण्डर नं.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि	ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य	ई-निविदा क्रय अंतिम दिनांक
1	6090	48196	ईदगाह तिराहा से पीतलमिल तिराहा तक डिवाइडर बनाये जाने बावत्।	13855000.00	138550.00	12500.00	27/11/2017

1. निविदा प्रपत्र क्रय, डाउन लोड, करने एवं निविदा से सम्बन्धित समस्त शर्तें एवं जानकारी https://www.mpeproc.gov.in से एवं नगर पालिका परिषद विदिशा की लोनिवि शाखा से प्राप्त की जा सकती है। इसके बाद किसी प्रकार का संशोधन होने पर बेवसाईट पर या कार्यालय से जानकारी प्राप्त होगी संशोधन का प्रकाशन समाचार पत्र में नहीं किया जावेगा।
2. उपरोक्त निविदाओं के फिजीकल डाक्यूमेन्ट के सीलबंद लिफापा- A एवं B दिनांक 29-11-2017 शाम 5.30 तक अनिवार्य रूप से कार्यालय में जमा किये जावें। निर्धारित समय तक फिजीकल डाक्यूमेन्ट के सीलबंद लिफापा प्राप्त न होने की स्थिति में निविदा प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जावेगा।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद विदिशा

न्यायालय : द्वितीय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, सेंधवा, जिला बड़वानी (मप्र)
क्लेम प्र.क्र. 27/17
मगन पिता चैनसिंह बारेला, निवासी- ग्राम सुलगांव, तह. निवाली, जिला बड़वानी (म.प्र.) ..... प्रार्थीगण
बनाम
1. अखलेश पिता खुशालचंद जैन आदि-2 (वाहन का चालक व पं. स्वामी)
2. दि न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, शाखा कार्यालय ए.बी. रोड पशु चिकित्सालय के सामने, सेंधवा, जिला बड़वानी (म.प्र.) ंवाहन की बीमा कंपनी) ..... प्रतिप्रार्थीगण
बनाम
1. अखिलेश पिता खुशालचंद जैन आदि-2 (दुर्घटना दि. 27.05.2016 कोदुर्घटना कारित करने वाले वाहन का चा3लक व पं. स्वामी)
प्रार्थी ने इस अधिकरण के समक्ष मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा 166 एवं 140 के तह, प्रतिप्रार्थीगण से दुर्घटना दिनांक 27.05.2016 को वाहन ट्रक क्रमांक एमपी 15 एचए 0357 से कारित दुर्घटना में प्रार्थी ने 5,00,000/- (पांच लाख रुपए) प्रतिकर राशि बाबद आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत: विषयान्तर्गत लेख है कि इस न्यायालय में दर्ज क्लेम प्र.क्र. 27/2017 (मगन विरुद्ध अखिलेश आदि-2) में प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 14.12.2017 नियत है।
अत: आप न्यायालय समय 11.00 बजे दोपहर को स्वयं अथवा आपके द्वारा विधिवत अधिकृत अभिभाषक जिन्हें प्रकरण की संपूर्ण माहिती प्रदान कीगई हो, मेरे समक्ष उपस्थित हो। यदि उक्त पेशी दिनांक को आप या आपके अधिकृत अभिभाषक उपस्थित नहीं होते हैं तो प्रकरण में एक पक्षीय सुनवाई की जाएगी एवं प्रकरण का निराकरण किया जाएगा। नियत दिनांक को अवकाश घोषित होने पर आगामी कार्यदिवस पर प्रकरण की सुनवाई की जाएगी।
मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से आज दिनांक 02.11.2017 को जारी किया गया।
श्रीमती कृष्णा परस्ते
सदस्य द्वि.मो.दु.दा.अधिकरण
सेंधवा, जि. बड़वानी (म.प्र.)

विद्यार्थियों ने अलग-अलग रागों में किया वृंग वादन

इंदौर, 7 नवंबर. एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल में अन्तर्सदनीय वादन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ. उसमे विद्यार्थियों ने अलग-अलग रागो में वृंद वादन कर प्रस्तुति दी. इसमें श्रीमती पूर्णिमा राजपुरा, बसंत शर्मा एवं यशपाल बावरा ने निर्णायक गण की भूमिका अदा की. तद्पश्चात श्रीमती पूर्णिमा राजपुरा व श्री बसंत शर्मा ने वायलिन व सरोद पर

जुगलबंदी प्रस्तुत की. उन्होंने राग देस पर आधारित राजखानीगत में आलाप जोड़ जाला तथा ताने तिहाईयों को लेकर अपनी कला का बहुत सुन्दर प्रस्तुतीकरण दिया. उनके साथ तबले पर यशपाल बावरा ने बहुत ही सुन्दर संगत दी. तीनों कलाकारों द्वारा विद्यार्थियों को शास्त्रीय संगीत के सम्बन्ध में मार्गदर्शन दिया गया. अंत में स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती प्रतिभा कानूनगो ने शहर के तीनों युवा कलाकारों को सम्मानित किया एवं स्कूल की छात्रा प्रांजल सराफ ने सबका आभार व्यक्त किया.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया **Union Bank of India**
क्षेत्रीय कार्यालय : जीवन प्रदीप बिल्डिंग, 12/12-ए, अनूप नगर, एलआईजी चौराहा, ए.बी. रोड, इन्दौर-452011, फोन: 0731-2426680
टेंडर जमा करने की अंतिम दिनांक 14.11.2017 सायं 4 बजे तक
टेंडर द्वारा वाहन नीलामी की सूचना
हमारे पास बंधक निम्न वाहन टेंडर द्वारा बेचे जाना हैं।
अत: वाहन के विक्रय हेतु निर्धारित प्रपत्र में टेंडर आमंत्रित किये जाते हैं :-
टेंडर खोलने की दिनांक 14.11.2017 सायं 5 बजे तक

क्रं.	शाखा का नाम	ऋणी/वाहन मालिक का नाम व पता	वाहन (चल संपत्ति) का विवरण	आरक्षित राशि (₹)	धरोहर राशि (₹)
1.	धार शाखा	श्री रामा महाकाल पिता श्री रंगू	यात्री बस, मॉडल - 2013 पंजीयन क्रं.- MP 09 FA4731, इंजिन नं.- 31C84099134 चेसिस नं. - MAT412012D0C02086	5,30,000	53,000

(1) दिनांक 14-11-2017 को सायं 4.00 बजे तक टेंडर निम्न हस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त होने चाहिए जो कि दिनांक 14-11-2017 को सायं 5.00 बजे खोले जायेंगे। (2) टेंडर के साथ आरक्षित मूल्य का 15% बयाना राशि के लिए ड्राफ्ट या पे-ऑर्डर जो प्राधिकृत अधिकारी **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, धार शाखा, धार** के नाम से देय हो, संलग्न करना अनिवार्य है। (3) शेष 85% राशि टेंडर स्वीकृति की सूचना के पश्चात् अगले दिन शाम 4.00 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा, अन्यथा टेंडर निरस्त माना जावेगा एवं टेंडर के साथ जमा 15% बयाना राशि जप्त/राजसात की जावेगी। (4) टेंडर जमाकर्ता को टेंडर खोलते समय उपस्थित रहना होगा एवं अपना पहचान पत्र एवं निवास प्रमाण पत्र साथ लाना होगा। निविदा खोलने के पश्चात् प्राधिकृत अधिकारी को समस्त निविदा जमाकर्ताओं में से अधिकतम राशि के निविदाकर्ता को वाहन विक्रय करने का अधिकार रहेगा। (5) टेंडर की तिथि तथा समय बिना कोई कारण बताये स्थगित अथवा निरस्त किया जा सकता है। (6) उक्त वाहन 'जहाँ है जैसा है' के आधार पर वहीं तथा उसी हाल में विक्रय किया जावेगा। वाहन के प्रकाशित विवरण में किसी भी प्रकार की त्रुटि टेंडर स्वीकार होने पर विक्रय पर प्रभावी नहीं होगी। (7) टेंडर को बिना किसी कारण बताये अस्वीकार किया जा सकता है। (8) उक्त शर्तों में परिवर्तन करने का अधिकार बैंक को है। (9) वाहन का निरीक्षण दिनांक 13.11.2017 को किया जा सकता है, स्थान व समय आदि की जानकारी हेतु अधोहस्ताक्षरकर्ता से सम्पर्क करें। (10) टेंडर की जानकारी एवं संपूर्ण शर्तों की जानकारी हेतु कृपया किसी भी कार्य दिवस में **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय शाखा, इन्दौर** / फोन नं. 0731-2426680 पर संपर्क करें। (11) वाहन पर लगने वाले किसी भी प्रकार के कर (टेक्स) या अन्य देयताओं को चुकाने के लिए बैंक उत्तरदायी नहीं रहेगा।
प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : इन्दौर, दिनांक : 08.11.2017 **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, इन्दौर**